नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 20 Aug 2022 - 20rag03

खुद को जानें विषय पर खरसिया महाविद्यालय में हुआ एक दिवसीय कार्यशाला

नवभारत रिपोर्टर।खरसिया। मानसिक अवसाद से गुजरने वाले महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं के लिये खुद को जानें विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया में किया गया जहां हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ . रमेश टण्डन संयोजन एवं अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उत्तराखंड से मनोविज्ञान की आचार्या व इतिहास की गोल्ड मेडलिस्ट सुश्री उज्जवला गोसाईं ने छात्रों के जीवन एवं अध्ययन से संबंधित सार्थक और जीवंत पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की उन्होनें महाविदयालय के छात्र छात्राओं से कहा कि वह उम्र के जिस पड़ाव पर हैं वहां उनके पास अनेक चुनौतियाँ हैं । मंजिल प्राप्त नहीं होती, आशातीत सफलता नहीं मिलती, अभिभावक की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते, जीवन में निराश हो जाते हैं, प्रेम के रास्ते पर भटक जाते हैं, विश्वासपात्र मित्रों से भी धोखा मिलता है, कुंठा का शिकार हो जाते हैं, आत्मग्लानि से आत्मघाती कदम उठा लेते हैं ऐसे मानसिक अवसाद की शंकाओं का समाधान किया । हिन्दी विभाग के प्रोफेसर डॉ. आर के टण्डन ने भाषण के रूप में संबोधित किया तथा प्रो. जयराम कुर्रे ने मंच संचालन करते हुए एवं डॉ आकांक्षा मिश्रा ने आभार व्यक्त करते हुए विषयान्तर्गत छात्रों को सारगर्भित बातें बताईं । आई क्यू ए सी सदस्य सुश्री प्रियंका पटैल, स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद की अध्यक्ष सोनिया चैहान व उपाध्यक्ष अनिल, सचिव छाया राठौर, सह सचिव राजेश्वरी, मोंगरा राठिया सहित दुर्गा पटैल, रूख्मणी पटेल समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राएं।